12.03 hrs.

RE: RISING PRICES OF ESSENTIAL COMMODITIES IN THE COUNTRY

Title: Regarding prices of essential commodities in the country.

MR. SPEAKER: Hon. Members, we generally take up Calling Attention Motion after the Question Hour. But there has been a request today by the main Opposition Party to raise some important matters after Question Hour. So, without creating a precedent, I am allowing Prof. Vijay Kumar Malhotra to make his presentation.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, देश भर से हज़ारों की संख्या में भीाण महंगाई से त्रस्त जनता आज दिल्ली में प्रदर्शन कर रही है। पिछले छः-सात महीनों में इतनी अधिक महंगाई हुई है कि जिसने गरीब वर्ग और मध्यम वर्ग की कमर तोड़कर रख दी है। सभी चीजों के दामों में लगातार वृद्धि होती गई है। जब बजट पेश हुआ था तो चिदम्बरम साहब ने और मनमोहन सिंह जी ने आश्वासन दिया था कि महंगाई को काबू में रखा जाएगा, महंगाई पाँच प्रतिशत से अधिक नहीं बढ़ेगी, इस बात का सदन में आश्वासन दिया गया था। अध्यक्ष जी, महंगाई इस समय 7.5 प्रतिशत, 8 प्रतिशत और सितम्बर के महीने में 8 प्रतिशत को भी पार कर गई है। ऐसा लगता है कि यह महंगाई दो बिन्दुओं पर जाएगी और 10 प्रतिशत से अधिक बढ़ जाएगी। कांग्रेस पार्टी ने जब चुनाव हुआ था तो सारे देश में जाकर इस बात का प्रचार किया था और कहा था कि कांग्रेस का हाथ आम आदमी के साथ, परन्तु इस समय कांग्रेस का हाथ आम आदमी से विश्वासघात कर रहा है। इतना भयंकर विश्वासघात किया गया है कि उनकी कमर तोड़कर रख दी गई है।

अध्यक्ष महोदय, रसोई गैस में वृद्धि हुई और उसके अंदर 40 रुपये तक की बढ़ोतरी कर दी गई। डीज़ल में बढ़ोतरी की गई, पैट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी की गई। सब्ज़ियां महंगी हो गईं, दालें महंगी हो गईं और आम आदमी की ज़रूरियात की चीजों के भाव आसमान को छू रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, सीमेंट के दाम बढ़ गए। लोहे के दाम बढ़ गए और अब हालत यह है कि रेल से जो ढुलाई होती है, उसके भी रेट बढ़ा दिए गए हैं। अब रेल से ढुलाई होने वाली हर चीज और महंगी होगी।

महोदय, पिछले छः सालों में होल सेल प्राइस इंडैक्स 4 प्रतिशत से नीचे रहा, 3 से 4 प्रतिशत के बीच रहा और औसत 3.2 प्रतिशत रहा। कंजूमर प्राइस इंडैक्स औसत 2 प्रतिशत था, लेकिन इस समय प्राइस इंडैक्स 8 प्रतिशत है और औसत कंजूमर प्राइस इंडैक्स 4.5 प्रतिशत को पार कर रहा है। ये दोनों आंकड़े बढ़ रहे हैं, जो बढ़ती महंगाई को बता रहे हैं, लेकिन ये आंकड़े आम आदमी के लिए बढ़ती महंगाई को स्पट नहीं कर रहे हैं क्योंकि प्राइस इंडैक्स में महंगाई का बहुत छोटा अंश ही शामिल होता है। उसमें डेढ़, दो या ढाई परसेंट अंश ही शामिल होता है जबकि इसका आम आदमी के लिए 50 प्रतिशत तक फर्क पड़ता है। इसलिए ये आंकड़े आम आदमी के लिए बढ़ रही महंगाई को स्पट नहीं कर रहे हैं। आम आदमी का 30 से 40 प्रतिशत औसत खर्चा बढ़ गया है। उसे समझ में नहीं आ रहा है कि वह किस खर्चे में कमी करे। पानी में कमी करे, चाय में कमी करे, घर के खाने में कमी करे या भूखा रहे ?

महोदय, आज से दिल्ली में पानी के 6 गुने से 20 गुने दाम बढ़ा दिए गए हैं। 600 प्रतिशत की वृद्धि एक ही दिन में की गई है। इतिहास में किसी एक दिन में, किसी एक सरकार ने किसी भी चीज में 600 प्रतिशत वृद्धि की हो, यह देखने में नही आया। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: That is a State Government matter.

...(*Interruptions*)

मोहम्मद शाहिद (मेरठ) : अध्यक्ष महोदय, â€¦ (व्यवधान)

*(Interruptions)**

MR. SPEAKER: This is not to be recorded. Nothing will be recorded except Prof. Vijay Kumar Malhotra's version. I am requesting him to conclude. Please conclude.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, 6 गुने से 20 गुने तक पानी के रेट एक दिन में बढ़ा दिए गए।

हमारे राज में 30 पैसे किलोलीटर की दर से पानी दिया जा रहा था जिसको बढ़ाकर 2 रुपए प्रति किलोलीटर कर दिया गया है। अमीर आदमी तो बिसलैरी का पानी पीता है, लेकिन गरीब आदमी ट्यूबवैल का पानी पी रहा है। उसके दाम 20 गुने कर दिए गए हैं।

महोदय, सोनिया जी यहां बैठी हुई हैं। इन्होंने सब जगह, घूम-घूम कर चुनाव प्रचार के समय जाकर वायदा किया था कि महंगाई नहीं बढ़ेगी। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Members, sit down, please. When I am standing, you have to sit down.

* Not Recorded

The hon. Leaders of all the parties have assured me cooperation. That means, we have to run the House according to the rules. Rules cannot be changed from minute to minute according to your convenience. If you do not get opportunities according to the procedure laid down, you can raise the issue. I am requesting the hon. Member to conclude as soon as possible.

There are some notices. I will allow them briefly. But this is a very important issue. I will allow a Short Duration Discussion. Therefore, this will be allowed. A full discussion can be held on that. I am only requesting those hon. Members who have given notices to make very brief references so that we can have a full-fledged discussion.

Please have the patience to hear others' views. It is applicable to all the sides. Others' views must also be heard.

...(*Interruptions*)

SHRI MADHUSUDAN MISTRY (SABARKANTHA): Sir, you have instructed him not to raise the issue pertaining to the Delhi Government. Why is he doing it? That is why, we have to interrupt him. He can talk on a Central issue....(*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : **+ÉvªÉFÉ VÉÉÒ,** â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: You will have to sit down. I will not permit this. Shri Athawale, I have now kept ready with me the procedure how to name Members and get them out of this House!

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Prof. Malhotra, you have made your point. Please sit down.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, इनके कॉमन मिनीमम प्रोग्राम का यह मतलब है कि कॉमन आदमी को मिनीमम दिया जाए, अमीरों को बेइन्तिहा छूट दी जाए। उनका इंडैक्स 6 हजार को पार गया और आम आदमी महंगाई से त्रस्त है।

महोदय, अगर आप रसोई गैस और पानी की बढ़ी हुई कीमतें देखें, तो इनके सहयोगी दल कम्युनिस्ट और समाजवादी पार्टी के लोग भी इनका विरोध कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी माइनॉरिटी में है। यू.पी.ए. माइनॉरिटी में है। अगर आप चाहें, तो नियम 184 में वोटिंग करा लें, दो-तिहाई लोग इनकी नीतियों के खिलाफ वोट देंगे, इनके खिलाफ वोट देंगे।

अध्यक्ष महोदय, मैं आज इनसे सिर्फ यह जानना चाहता हूं कि जो तेजी से महंगाई बढ़ती जा रही है, जो देश के साथ विश्वासघात हुआ, देश को बर्बादी के कगार पर लाया गया, किसान आत्महत्या कर रहे हैं, इन सब बातों के ऊपर प्रधानमंत्री जी यहां आकर अपना वक्तव्य दें।â€¦ (व्यवधान) आज जो करोड़ों लोगों का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदर्शन किया जा रहा है, जिसमें आडवाणी जी और अटल जी वहां गिरफ्तारी दे रहे हैं, ये यहां पर देश की भावनाओं का प्रतीक है। ऐसा न हो कि देश में इस बात पर क्रांति आ जाए और गरीब आदमी इस सवाल को पूरी तरह से उठाएं।â€¦ (व्यवधान) इस बारे में हम इनकी निन्दा करते हैं और मैं इस विश्वासघात के लिए प्रोटेस्ट करता हूं।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Everybody will be allowed to have his say.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: He has given notice.

â€¦ (व्यवधान)

श्री मोहन सिंह (देवरिया) : अध्यक्ष महोदय, आज सारी जरूरी चीजों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं और इससे आम जनजीवन त्रस्त है।â€¦ (व्यवधान) महोदय, पूरे देश में एक आतंकपूर्ण स्थिति है। मैं यह कहना चाहता हूं कि पिछले छ: महीने में छ: फीसदी से अधिक महंगाई बढ़ी है। ये सरकारी आंकड़े हैं, जो अखबारों के जरिए आते हैं, लेकिन व्यावहारिक रूप से देखने से महंगाई की छलांग बड़ी तेजी से बढ़ रही है और पैट्रोल, गैस और डीजल के जो दाम बढ़ाए गए, जो मुद्रास्फीति बढ़ी है, उसमें सबसे बड़ा योगदान पैट्रोलियम प्रोडक्ट्स के दामों के बेतहाशा बढ़ाने से हुआ है। आज वित्त मंत्री जी ने कहा है कि जो बढ़े हुए दाम हैं, उन्हें वे किसी भी कीमत पर वापस लेने को तैयार नहीं हैं।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have already informed hon. Members that I would allow a full-fledged discussion on this subject. So, please be brief.

â€¦ (व्यवधान)

श्री मोहन् सिंह : मैं कहना चाहता हूं कि यह सरकारी नीतियों का परिणाम है कि पिछले छ: महीनों में छ: फीसदी से अधिक महंगाई बढ़ी है। आज इस देश का आम आदमी कराह रहा है, परेशानी के दौर में चल रहा है। इसलिए मैं आपसे आग्रह करना चाहता हूं कि जनहित के इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर सदन के भीतर चर्चा होनी चाहिए और जो सरकार बेलगाम होती जा रही है, इसका जरूरी चीजों के दामों के ऊपर नियंत्रण खत्म हो गया है, उसके बारे में एक साफ वक्तव्य इस सदन के सामने आना चाहिए, जिससे आम जनता की परेशानी को दूर करने में इस सदन का योगदान हो सके, यह मैं आपसे आग्रह करना चाहता हूं।â€¦ (व्यवधान)

श्री ब्रज किशोर त्रिपाठी (पुरी) : अध्यक्ष महोदय, ये बहुत सीरियस बातें हैं। देश में महंगाई इतनी बढ़ गई है, इससे आम जनता को बहुत तकलीफ हो रही है, इसे कहने की भी जरूरत नहीं है। आज जहां भी आप जाएंगे, वहां आम जनता, गरीब जनता को बड़ा क्रोध सरकार के ऊपर आ रहा है। असेंशियल कमोडिटीज़ का प्राइस इतना बढ़ गया है, होल सेल प्राइस इंडेक्स और कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स इतना बढ़ गया है, जितना चार साल में भी नहीं था, उतना इन छः महीनों में डबल से भी ज्यादा बढ़ गया है, आठ प्रतिशत से भी ज्यादा हो गया है।â€¦ (व्यवधान) Sensex cannot be the index for the price index of the common man. यह मई महीने में इतना बढ़ गया है। सरकार की तरफ से बताया गया कि मेनुप्लेशन हो गया है। â€¦ (व्यवधान) यह जो इतना बढ़ गया है, यह मेनुप्लेशन से हुआ या कैसे हुआ।â€¦ (व्यवधान) इसका प्राइस के ऊपर कोई असर नहीं पड़ता है, यह कंप्लीटली स्पेकुलेशन है। यह प्राइस कैसे कम होंगे, पैट्रोलियम प्रोडक्ट्स पर जो प्राइस बढ़ गया है, सरकार कस्टम ड्यूटी और एक्साइस ड्यूटी कम कर सकती है, यह आम जनता के लिए अच्छा रहेगा। क्या ऐसा कुछ करने के लिए सरकार सोच रही है? â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: You will have to associate. I have given you the opportunity. Do not misuse it. This is not a full discussion.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will not allow more than one minute to anybody on this subject.

...(*Interruptions*)

श्री ब्रज किशोर त्रिपाठी : इसे फाइनेंशियल स्टेंडिंग कमेटी में भी रिकोमेंड किया है। खंडूरी जी ऊधर बैठे हैं, उन्होंने भी सरकार को रिकोमेंड किया है कि कैसे प्र ाइस स्टेबल रहेंगे। उसके ऊपर सरकार जरूर विचार करेगी, लेकिन अभी तक उसके ऊपर सरकार कोई विचार नहीं कर रही है।â€¦ (व्यवधान) पार्लियामेंट की स्टैंडिंग कमेटी में भी इस पर अपने व्यूस दिए हैं। मैं सरकार से मांग करता हूं कि प्राइस कैसे स्टेबल रहेंगे, इस पर सरकार को अच्छे ढंग से विचार करना चाहिए, अन्यथा सरकार के ऊपर जनता का विश्वास नहीं रहेगा।â€¦ (व्यवधान)

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL (CHANDIGARH): Mr. Speaker, Sir, I want to say something on this subject. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: No notice has been given by you. They have given notice. If you had some patience I would have allowed you. Now I will not allow you.

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : अध्यक्ष महोदय, महंगाई का सवाल निश्चित रूप से अत्यधिक गंभीर सवाल है। जैसे श्री मल्होत्रा जी ने कहा कि समाज वादी पार्टी और सीपीएम के लोग भी इससे त्रस्त हैं और वे सरकार के साथ सहमत नहीं हैं। मैं बड़ी विनम्रता के साथ मल्होत्रा जी से कहना चाहूंगा। आपने क्या किया और वे लोग क्या कर रहे हैं, समाजवादी पार्टी के सामने एक ही सवाल है कि जनहित से जुड़े हुए जो मुद्दे हैं, उस पर मुखर होकर बोलेंगी आपका काम करने का तौर-तरीका गलत था, हमने आपका विरोध किया। अगर जनहित से जुड़े हुए मुद्दों की उपेक्षा करेंगे और आम जनता को राहत नहीं मिलेगी तो समाजवादी पार्टी अपना पक्ष रखेगी। सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार की ओर से जो साझा न्यूनतम कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, उसमें प्रमुखता से यह बात कही गई कि हम चीजों को नियंत्रित करेंगे। वह भविय में आने वाली कठिनाईयों को समझते थे, हम जरूर यह जानना चाहेंगे कि सरकार इस संभावना को जानती थी कि महंगाई बढ़ सकती है और खास तौर से पैट्रोलियम प्रोडक्ट्स की कीमतें बढ़ने के साथ जब डीजल की कीमत बढ़ती है तो ढुलाई भाड़ा बढ़ता है, आम आदमी की परेशानी बढ़ती है â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: You are only repeating the same thing.

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : महंगाई बढ़ेगी तो राट्रीय एवं राज्य सरकार के कर्मचारी महंगाई भत्ते की मांग करेंगे, इसलिए हम चाहते हैं कि इस पर पूरी बहस हो और सरकार इस मामले पर सफाई दे।

SHRI KINJARAPU YERRANNAIDU (SRIKAKULAM): Sir, I have given notice on this.

MR. SPEAKER: It will come later.

...(*Interruptions*)

SHRI C.K. CHANDRAPPAN (TRICHUR): Sir, the growing inflation has affected the people...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Your notice is not on this, you know that.

SHRI C.K. CHANDRAPPAN : Sir, I have given notice on the Press freedom...(*Interruptions*)

श्री संतोा गंगवार (बरेली) : इस पर सरकार का बयान आना चाहिए कि उनकी क्या राय है।

MR. SPEAKER: You are very experienced Members of Parliament.

...(*Interruptions*)

12.35 hrs.

RE: RISING PRICES OF ESSENTIAL COMMODITIES

IN THE COUNTRY - contd

SHRI GURUDAS DASGUPTA (PANSKURA): As a party supporting the Government, we feel deeply distressed. This is after all a coalition Government. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please come to the subject.

SHRI GURUDAS DASGUPTA : The Government should know the opinion of the parties which are supporting the Government before ordering for the increase in the prices of petroleum products. The Left parties were not consulted. We had opposed and we had given our suggestions.

When the prices of petroleum products were increased in the country, internationally, there was a decline in the prices. We have a strong suspicion - although it is sought to be linked to the international prices - that there is an

attempt to make use of the increase in prices of petroleum products to mobilise additional revenue. This has been found to be a convenient tool for mobilising revenue for the country.

We seriously oppose the unilateral decision of the Government, not in consultation with us, because this is hurting the people. The increase in the price of diesel has led to the increase in the freight rates of Railways. The increase in the prices of petroleum products is contributing sharply to inflation in the country, hurting the common masses. From my party and from the Left parties, I demand that the prices may be reduced and brought to the previous levels. I want a total rollback.

The Government should find out greenfield areas to mobilise additional taxes to make good whatever revenue the Government might lose. There is enough money in the country. People are spending Rs. 250 crore for a marriage ceremony. That is not being taxed but the common people are being taxed by increasing the prices of petroleum products. So, I want a total rollback.

Secondly, the Government should ask the petroleum producing companies including the private ones to bear a part of the losses. We know the petroleum company in the private sector facing a quarrel, resulting in a decline in the SENSEX. I demand that the petroleum producing companies bear a part of the loss by reducing their profit margins in the name of helping common people. ...(*Interruptions*)

I do not join the BJP because I know, during the period of NDA, there had been persistent increases in prices of petroleum products. ...(*Interruptions*) I do not join you.

MR. SPEAKER: Mr. Malhotra, please take your seat.

SHRI GURUDAS DASGUPTA : I do not join the NDA because during their period there had been successive increases in the prices. ...(*Interruptions*)

Let me be very clear. We shall oppose anything which hurts the common masses. We shall oppose each and every decision which might be taken unilaterally against the interests of the people. At the same time, we shall never allow the BJP to exploit the situation for their political advantage.

SHRI KINJARAPU YERRANNAIDU (SRIKAKULAM): Mr. Speaker, Sir, this is a very sad thing. After the UPA Government came to power, this is the bonus they have given to the people of the country! ...(*Interruptions*)

If we look at the last three or four years, no such steep hike in the prices of petroleum products had taken place. Within a span of six months, the price of petrol has gone up by Rs. 5.5, the price of diesel has gone up by Rs. 4.5, and the price of an LPG gas cylinder has gone up by Rs. 40. This has affected the people of the country. ...(*Interruptions*)

The prices of all the essential commodities are increasing manifold. The price of tamarind before this Government came to power was Rs. 20 per kilogram. Now, it is Rs. 70 per kilogram. It is shameful. This matter has to be discussed in detail. My party is demanding a total rollback to protect the common man in this country. This is the assurance given by the UPA at the time of elections. They incorporated it in their manifesto but look at what has happened now, after six months. So, my party is demonstrating everywhere. My party is demanding for a rollback of all these price increases.